Anti-Militant Operations in Jammu and Kashmir

*53. SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE:

DR. RATNAKAR PANDEY :

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) the success achieved as a result of the anti-militant operations in Jammu and Kashmir undertaken by the Security Forces aided by the army, during March and April, 1992, indicating the number of militants hide-outs busted, the number of extremists killed and arrested, and the arms seized from them ; and

(b) what is Government's assessment about the estimated number of militants still at large in that State ?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN) : (a) and (b) In operations against the terrorists in March and upto mid April, 1992, 112 terrorists were killed and 242 persons were arrested. A large quantity of arms and ammunition was recovered which included AK Rifles—619, Revolvers/Pistols—109, Grenades—340, Machine Guns—25, Rockets/Rocket Launchers—39, Mines (AP, AT and Claymore)—28 and about 10 kgs. of explosives. Selective searches and combing operations in different areas of the State have been undertaken by security forces on the specific information and intelligence.

As per the available information, the strength of active militants in the State is estimated at about 2,500.

Transfer of Chandigarh to Punjab

*54. SHRI HARVENDRA SINGH HANSPAL:

SHRI SURESH PACHOURI :

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether Government have received any representation for the transfer of Chandigarh to Punjab and also to delink this issue from Abohar and Fazilka or any other territorial adjustment ;

(b) if so, what is Government's reaction thereto ;

(c) whether Government propose to expedite the issue ;

(d) by when Chadigarh is likely to be handed over to Punjab ;

(e) whether Government also propose to announce any package offer in respect of the Punjab problem ; and

(f) if so, the details thereof ?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN) : (a) to (f) The Government is keenly interested in finding an amicable negotiated solution of all outstanding issues relating to Punjab, including transfer of Chandigarh, by a process of dialogue with the concerned State Governments. Efforts in this direction are continuing.

उत्तर प्रदेश में विद्युत परियोजनाएं

*55. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार उत्तर प्रदेश में कुछ विद्युत परियोजनाओं के पर्यावरणीय पहलू की जांच कर रही है ;

(ख) यदि हां, तो उन परियोजनाओं के नाम क्या हैं, और

(ग) उन परियोजनाओं के नाम क्या हैं, जिन्हें पर्यावरण की दृष्टि से स्वीकृति नहीं दी गई है और उनमें से प्रत्येक पर क्या कार्यवाही की गई है ?

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और विधि न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रंगराजन कुमारमंगलम) : (क) जी हां ।

(ख) केवल एक बिजली परियोजना – रिहंद एस टी पी चरण-II पर इस समय विचार किया जा रहा है ।

(ग) एक विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

उत्तर प्रदेश की नामंजूर ताप बिजली परियोजनाएं:–

1. एन टी पी सी का रिहंद एस टी पी पी— चरण-II 2×500 मेगावाट (सूचना न भेजे जाने के कारण पहले नामंजूर । चूंकि अब सूचना प्राप्त हो गई है, इस पर विचार किया जा रहा है।)

2. उ. प्र. रा. बि. बो. की बेलखेरा रोड ताप विद्युत स्टेशन 3×210 मेगावाट ।

उत्तर प्रदेश की नामंजूर पन-विद्युत परियोजनाएं :

1. किशाऊ बांध परियोजना, 600 मेगावाट

2. यमुना पन विद्युत परियोजना— चरण-II (भाग-II)-खोडरी पी एच 4×28=112 मेगावाट

3. पाला मनेरी पन विद्युत स्कीम, 416 मेगावाट

4. लोहारीनाग पाला हाइडल स्कीम, 3×94=282 मेगावाट, क्षमता 520 मेगावाट

5. चीरा मिनी हाइडल स्कीम, 3×1 =मेगावाट

6. रापती कैनाल मिनि हाइडल स्कीम 5×3.6=18 मेगावाट

7. विष्णु प्रयाग पन विद्युत परियोजना (संशोधित) 4×120=480 मेगावाट

8. कोटलीभोल बांध सिंचाई परियोजना, 4×250=1000 मेगावाट

9. सेराघाट मिनि हाइडल स्कीम, 2×25=0.50 मेगावाट

10. अगलर मिनि हाइडल स्कीम, 3×05=1.5 मेगावाट

11. मंडल मिनि हाइडल स्कीम, 3×04=1.2 मेगावाट

12. तपोवन विष्णुगढ़ हाइडल स्कीम, 3×120=360 मेगावाट

13. पिलंगड मिनि हाइडल, स्कीम 3×1=3 मेगावाट

14. कोटेश्वर बांध हाइडल परियोजना 4×100=400 मेगावाट

15. तिवनी पलास हाइडल, स्कीम 3×16.67=50 मेगावाट

16. बवाला नोद प्रयोग पन-विद्युत परियोजन

उक्त सभी परियोजनाएं अपेक्षित आंक योजनाएं न भेजे जाने के कारण नामंजूर कर गई हैं और परियोजना प्रस्तावों द्वारा अपेक्षि आंकड़े परियोजनाएं भेज देने पर इन प पुनः विचार किया जायेगा ।

घातक रोगों से बच्चों की मृत्यु

*56. **श्री महेन्द्र सिंह लाठर :**
श्री सत्य प्रकाश मालवीय :

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्र यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानका है कि दिल्ली की झुग्गी-झोंपड़ी कालोनियों पै दा होने वाले प्रत्येक एक हजार बच्चो में सौ बच्चों की अपना प्रथम वर्ष पूरा करने पहले मौत हो जाती है ;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि बच्चों की ऐसी मौतों के मु कारण कुपोषण, गन्दगी और स्वच्छ पेय जल अभाव के कारण होने वाली आंत्रशोथ जै घातक बीमारियां हैं ;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने स्थि में सुधार करने के लिए कोई ठोस कार्य बनाया है; और

(घ) यदि हां, तो उस कार्यक्रम का ब्य क्या है ?